# विश्व पर्यावरण दिवस

## प्रिलिम्स के लिये:

विश्व पर्यावरण दिवस, संयुक्त राष्ट्र सभा, स्टॉकहोम सम्मेलन, COP26, NAP, LiFE आंदोलन, NRLM.

## मेन्स के लिये:

विश्व पर्यावरण दिवस, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता और संबंधित पहल

## चर्चा में क्यों?

जागरूकता के प्रसार और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिये प्रत्येक वर्ष **5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस** मनाया जाता है।

- भारत ने इस अवसर पर **'पर्यावरण के लिये जीवनशैली आंदोलन (Lifestyle for the Environment (LiFE) Movement)'** शुरू किया।

## विश्व पर्यावरण दिवस की मुख्य विशेषताएँ:

- **परिचय**:
  - संयुक्त राष्ट्र सभा ने 1972 में विश्व पर्यावरण दिवस की स्थापना की, जो**मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन का पहला दिन था।**
  - प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव एक **विशिष्ट विषय और नारे के साथ** आयोजित किया जाता है जो उस समय की प्रमुख पर्यावरणीय चिंता को संदर्भित करता है।
  - यह **प्रत्येक वर्ष एक अलग देश द्वारा** आयोजित किया जाता है।
    - उदाहरण के लिये **भारत** ने **'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन'** थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस के **45वें** उत्सव की मेज़बानी की।
  - पिछले साल विश्व पर्यावरण दिवस समारोह ने पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) की भी शुरुआत की, जो जंगलों से खेतों तक, पहाड़ों के शीर्ष से समुद्र की गहराई तक अरबों हेक्टेयर क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिये एक वैश्विक मिशन है।
- **2022 के लिये थीम:**
  - **केवल एक पृथ्वी (OnlyOneEarth):**
    - यह 1973 में **पहले विश्व पर्यावरण दिवस की थीम** को संदर्भित करता है।
- **महत्त्व:**
  - 2022 एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि यह 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन के 50 साल पूरे कर रहा है।

## पर्यावरण के लिये जीवन शैली (LiFE) आंदोलन'

- **परिचय:**.
  - LiFE का विचार भारत द्वारा वर्ष 2021 में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) के दौरान प्रस्तुत किया गया था।
    - यह विचार पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को बढ़ावा देता है जो 'नासमझी और अपव्यय' के बजाय 'सचेत और जान-बूझकर उपयोग' के सिद्धांत पर केंद्रित है।
  - मिशन के शुभारंभ के साथ प्रचलित "उपयोग और निपटान" अर्थव्यवस्था, बेतरतीब एवं विनाशकारी उपभोग तथा प्रशासन को एक चक्रीय अर्थव्यवस्था द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, जिसे 'सचेत और स्व-खपत' द्वारा परिभाषित किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - आंदोलन का उद्देश्य सामूहिक कार्रवाई की शक्ति का उपयोग करना और पूरे विश्व के व्यक्तियों को अपने दैनिक जीवन में सरल जलवायु-अनुकूल कार्य करने के लिये प्रेरित करना है।

- यह जलवायु के आसपास के सामाजिक मानदंडों को प्रभावित करने के लिये सामाजिक नेटवर्क की शक्ति का लाभ उठाने का भी प्रयास करता है।
- मिशन की योजना व्यक्तियों का एक वैश्विक नेटवर्क बनाने और उसका पोषण करने की है, जिसका नाम **'प्रो-प्लैनेट पीपल'** (P3) है।
    - P3 की पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को अपनाने और बढ़ावा देने के लिये एक साझा प्रतिबद्धता होगी।
    - P3 समुदाय के माध्यम से यह मिशन एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है जो पर्यावरण के अनुकूल व्यवहारों को आत्मकेंद्रित होने के लिये सुदृढ़ और सक्षम करेगा।

## पर्यावरण संरक्षण के मामले में भारत:

- **वनावरण में वृद्धि:**
    - भारत का वन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और इसलिये शेरों, बाघों, तेंदुओं, हाथियों और गैंडों की आबादी बढ़ रही है।
        - कुल वन क्षेत्र वर्ष 2021 में कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.71% है, जबकि 2019 में 21.67% और 2017 में 21.54% था।
- **स्थापित विद्युत क्षमता:**
    - गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से स्थापित विद्युत क्षमता के 40% तक पहुँचने की भारत की प्रतिबद्धता निर्धारित समय से 9 साल पहले हासिल कर ली गई है।
- **इथेनॉल ब्लेंडिंग लक्ष्य:**
    - पेट्रोल में **10% एथेनॉल सम्मिश्रण** का लक्ष्य नवंबर 2022 के लक्ष्य से 5 महीने पूर्व ही प्राप्त किया जा चुका है।
    - यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि 2013-14 में सम्मिश्रण मुश्किल से 1.5% और 2019-20 में 5% था।
- **अक्षय ऊर्जा लक्ष्य:**
    - भारत सरकार भी **अक्षय ऊर्जा** पर बहुत अधिक ध्यान दे रही है।
    - 30 नवंबर, 2021 को देश की स्थापित **अक्षय ऊर्जा (RE)** क्षमता 150.54 गीगावाट (सौर: 48.55 गीगावाट, पवन: 40.03 गीगावाट, लघु जलविद्युत: 4.83, जैव-शक्ति: 10.62, बड़ी हाइड्रो: 46.51 गीगावाट) है, जबकि इसकी परमाणु ऊर्जा आधारित स्थापित बिजली क्षमता 6.78 गीगावाट है।
        - भारत **विश्व की चौथी सबसे बड़ी पवन ऊर्जा क्षमता** से युक्त देश है।

## अन्य पहलें:

- **राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम:** यह वनों के आसपास के अवक्रमित वनों के पुनर्वास और वनरोपण पर केंद्रित है।
- **हरित भारत के लिये राष्ट्रीय मिशन:** यह **जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना** (National Action Plan on Climate Change) के अंतर्गत है और इसका उद्देश्य जलवायु अनुकूलन एवं शमन रणनीति के रूप में वृक्षों के आवरण में सुधार तथा वृद्धि करना है।
- **राष्ट्रीय जैवविविधता कार्य योजना:** इसे प्राकृतिक आवासों के क्षरण, विखंडन और नुकसान की दरों में कमी के लिये नीतियों को लागू करने हेतु शुरू किया गया है।
- **ग्रामीण आजीविका योजनाएँ:** ग्रामीण आजीविका से आंतरिक रूप से जुड़े प्राकृतिक संसाधनों की मान्यता**महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना** (मनरेगा) और **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन** (NRLM) जैसी प्रमुख योजनाओं में भी परिलक्षित होती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-environment-day-4